विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण दिनांक 28 जून 2020

वर्ग अष्टम शिक्षक राजेश कुमार पांडे साथ साथ

धातुरूप- प्रकरण

सभी धातुओं को 3 वर्गों में रखा गया है।

(क)परस्मैपदी

(ख)आत्मनेपदी

(ग)उभयपदी

प्रत्येक वर्ग में धातु के साथ नौ तिङ् प्रत्यय जुड़ते है।अतः तीन वचनों तथा तीन पुरुषों के सापेक्ष में एक ताल विशेष में एक धातु के नौ रूप बनते हैं और काल बदलने पर यह रूप भी बदल जाते हैं।

लकार- संस्कृत व्याकरण में प्रत्येक धातु के काल तथा भाव के आधार पर 10 लकारों के रूप अलग-अलग होते हैं विद्यालय में पढ़ाए जाने वाले प्रमुख पांच लकार जो मैं दे रहा हूं इन पांचों लकारों के परस्मैपद तथा आत्मनेपद के प्रश्नों का निम्नलिखित तालिका से स्पष्टीकरण हो जाएगा ।

परस्मैपदी प्रत्यय

लट् लकारः(वर्तमान काल)

	एकवचन	द्विवचन	बहु वचन
प्रथम पुरुष	अति	अतः	अन्ति
मध्यम पुरुष	असिः	अथः	अथ
उत्तम पुरुष	आमि	आवः	आमः